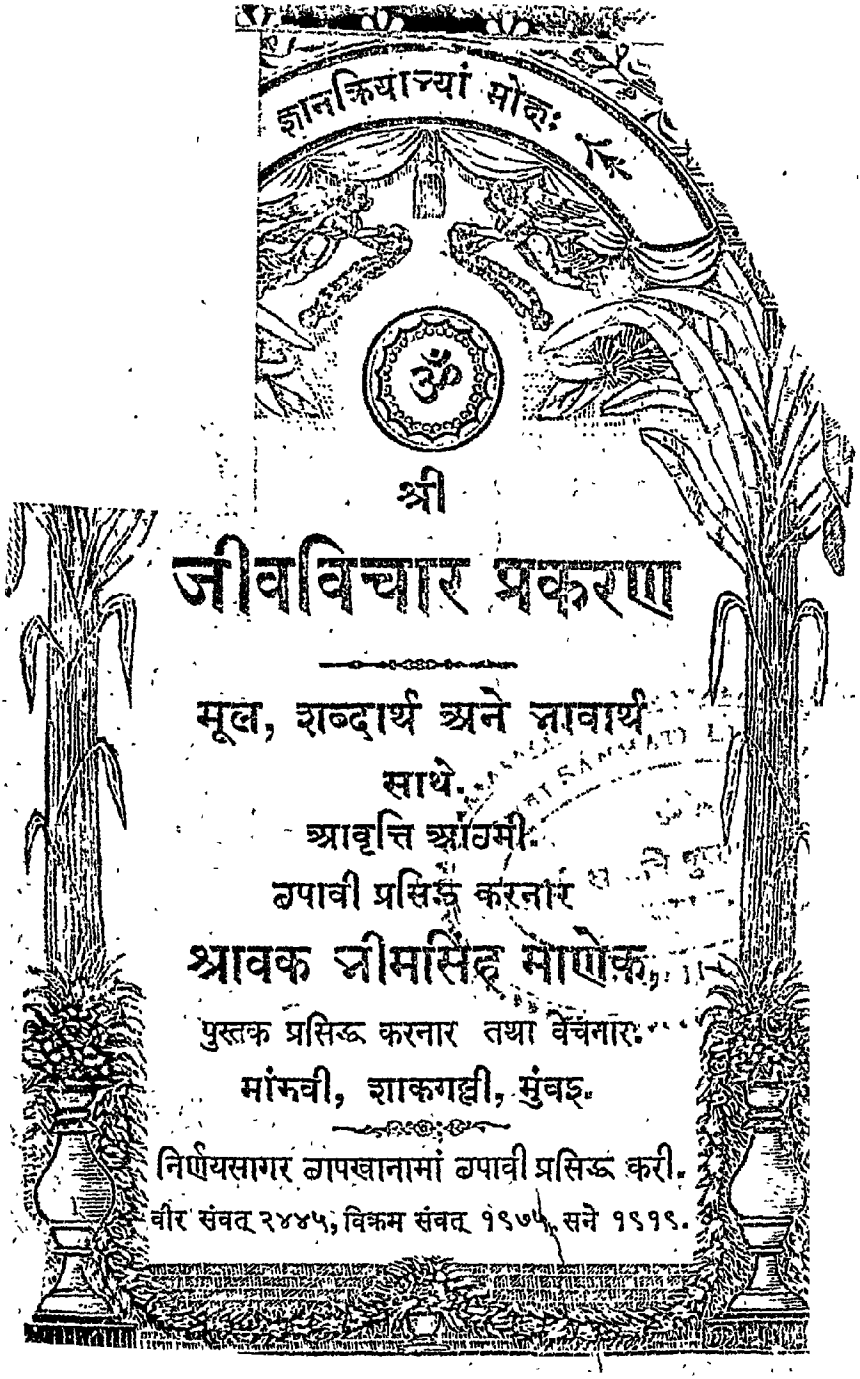

ज्ञानक्रियाभ्यां मोक्षः

श्री

जीवविचार प्रकरण

मूल, शब्दार्थ अने भावार्थ
साथे.

आवृत्ति आठमी.

छपावी प्रसिद्ध करनार
श्रावक भीमसिंह माणेक,
पुस्तक प्रसिद्ध करनार तथा वेचनार.
मांडवी, शाकगल्ली, मुंबइ.

निर्णयसागर छापखानामां छपावी प्रसिद्ध करी.
वीर संवत् २४४५, विक्रम संवत् १९७५, सने १९१९.